

**अंगनाण पुं.** (तत्.) 1. अंग की रक्षा करने वाली वस्तु 2. कवच।

**अंगद पुं.** (तत्.) 1. भुजा का एक आभूषण, बाजूबंद 2. राम की सेना का एक सेनापति-बाली पुत्र अंगद।

**अंगदान पुं.** (तत्.) अपने शरीर के किसी अंग को अन्यत्र प्रत्यारोपण हेतु अथवा शोधकार्य के लिए देना जैसे- चक्षुदान, वृक्कदान, यकृतदान आदि।

**अंगदीय वि.** (तत्.) 1. अंगद संबंधी 2. अंगद का।

**अंगन स्त्री.** (तत्.) 1. आंगन, टहलने का स्थान 2. यान, सवारी।

**अंगन्यास पुं.** (तत्.) पूजा आदि में मंत्रों का उच्चारण करते हुए विभिन्न अंगों को पवित्र करने की भावना से स्पर्श करना।

**अंगपरक वि.** (तत्.) अंगों से संबंधित, अंग का।

**अंगपाक पुं.** (तत्.) अंगों का पकना या सड़ना।

**अंग-प्रत्यंग पुं.** (तत्.) शरीर का प्रत्येक अंग, शरीर के सभी छोटे-बड़े अंग।

**अंगभंग पुं.** (तत्.) किसी अंग का खंडित होना या टूट जाना।

**अंगभंगिमा स्त्री.** (तत्.) (स्त्री की) मनमोहक शारीरिक चेष्टाएँ अथवा अदाएँ, अंगों को झुकाकर, लहराकर, तिरछा मोड़ कर की गई अदाएँ।

**अंगभंगी स्त्री.** (तत्.) वि. विकलांग, अंगभंगिमा।

**अंगभाव पुं.** (तत्.) 1. नृत्य या संगीत में शरीर के नेत्र आदि विभिन्न अंगों से मनोभावों को प्रकट करने की क्रिया 2. अंग-भंगिमा।

**अंग-भू वि.** (तत्.) 1. शरीर या अंग से उत्पन्न 2. पुत्र 3. कामदेव।

**अंगभूत वि.** (तत्.) 1. जो शरीर अथवा अंग से उत्पन्न हुआ हो 2. अंगस्वरूप बना हुआ 3. जो

किसी के भीतर उसके अंग के रूप में हो, अंतर्गत 4. पुत्र या पुत्री 5. कामदेव।

**अंगमर्दक वि.** (तत्.) 1. शरीर दबाने वाला 2. शरीर की मालिश करने वाला।

**अंगमर्दन पुं.** (तत्.) 1. अंग मलने या दबाने का कार्य 2. मालिश।

**अंगमारी स्त्री.** (तत्.) शा.अर्थ 1. अंग के मारे जाने की स्थिति 2. एक पादप रोग जिसमें पादप-ऊतकों में तेजी से विवर्णता होती जाती है और वे मुरझाकर झड़ जाते हैं।

**अंगमेजयत्व पुं.** (तत्.) योग. अंगों का काँपना (एजयत) या विचलित होना (ध्यान में मन न लगने से उत्पन्न स्थिति)।

**अंगरंग पुं.** (तत्.) अंग की छटा, शोभा।

**अंगरक्षक पुं.** (तत्.) किसी विशिष्ट या महत्वपूर्ण व्यक्ति की रक्षा के लिए साथ रहने वाला पुलिसकर्मी या सेना का जवान।

**अंगरक्षणी स्त्री.** (तत्.) शरीर की रक्षा के लिए निर्मित लोहे की पोशाक, कवच।

**अंगरक्षा स्त्री.** (तत्.) शरीर की रक्षा।

**अंगरक्षी पुं.** (तत्.) 1. अंगरक्षक 2. कवच, अंगरखा।

**अंगरखा पुं.** (तत्.) पुरुषों का घुटनों या उससे भी नीचे तक का लंबा तथा ढीला-ढाला पहनावा, इसमें प्रायः बटन के बदले बाँधने के बंद लगे होते हैं।

**अंगराज पुं.** (तत्.) 1. अंगदेश का राजा 2. दशरथ मित्र लोमपाद 3. अंगदेश का राजा कर्ण 4. अंगों में शोभित होना।

**अंगरूह पुं.** (तत्.) 1. बाल, केश, रोम 2. ऊन।

**अंगरेज पुं.** (देश.) अंग्रेज, मूलतः इंग्लैंड का निवासी।

**अंगरेजी स्त्री.** (देश.) अंग्रेजी भाषा एवं लिपि, अंग्रेजों से संबंधित।

**अंगलतिका स्त्री.** (तत्.) शरीर रूपी लता।

**अंगलेप पुं.** (तत्.) शरीर पर लगाने का सुगंधित पदार्थ, लेपना।